नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

# महाराणा प्रताप महाविद्यालय
## जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.....

दिनांक : 25.08.2022

## प्रकाशनार्थ

कैंसर तेजी से बढ़ता जा रहा एक स्वास्थ्य जोखिम है, जिससे बेशकीमती धन और जन की हानि हो रही है। हमारे पास ऐसे कई उदाहरण हैं जिन्होंने कैंसर का डटकर मुकाबला किया। मगर यह अनुभव पीड़ित व्यक्ति और उनके परिवार के लिए किसी महन मानसिक आघात से कम नहीं था। इसलिए ऐसी समस्याओं के मूल पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। अगर हम स्वयं को एवं अपने कुटुंब को कैंसर से बचाना चाहते हैं, तो आज से ही स्वस्थ जीवन शैली की ओर कदम बढ़ाना होगा। बदलती जीवन शैली के साथ बदलता खान पान लोगों में कई बीमारियां पैदा कर रहा है, जिसमें कैंसर एक बड़ा घातक नाम है। विश्व में प्रतिवर्ष में 3.60 लाख कैंसर रोगियों की जांच की जाती है। इनमें से 1.30 लाख लोगों को कैंसर धूम्रपान यानी खराब जीवनशैली की आदत के कारण होता है। उक्त बातें प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रेडियोलॉजी, ऑकोलाजी विभाग एवं चेयरमैन ऑकोलाजी सर्विसेज, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, भूतपूर्व कुलपति, के. जी. एम. यू. लखनऊ, पूर्व निदेशक, कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान, लखनऊ, डॉक्टर मदनलाल ब्रह्मभट ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन **'स्वस्थ जीवनशैली एवं कैंसर से बचाव'** पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कही।

उन्होंने आगे कहा कि भारत में लगभग 14 लाख लोग कैंसर से पीड़ित हैं। जिनमें 10 प्रतिशत अनुवांशिक एवं 80–90 प्रतिशत वातावरण जन्य कारणों से। विकासशील देशों में 40 प्रतिशत पुरुष तथा 5 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू का सेवन करती हैं। विश्व में एक तिहाई कैंसर तंबाकू के प्रयोग के कारण होते हैं। पश्चिमी देशों में पुरुषों में यह प्रतिशत कुछ कम है किंतु महिलाओं में तंबाकू का प्रयोग 3 गुना ज्यादा है। आहार एवं कैंसर को सम्बद्ध करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि अस्वास्थ्य कारण, ऊर्जा एवं कैलोरी, वसा युक्त भोजन शराब के सेवन की अधिकता से कैंसर महामारी के बढ़ने की संभावना अधिक बनी रहती है। महिलाओं में स्तन कैंसर के कारणों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने मोटापा, तंबाकू सेवन, देर से प्रथम प्रसव तथा नवजात को स्तनपान न कराना प्रमुख कारण बताया। इससे बचाव के लिए उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रथम प्रसव 18 से 25 वर्ष की आयु तथा नवजात को प्रथम 6 माह तक केवल मां का दूध पिलाना ही आवश्यक उपाय है।

कार्यक्रम का संयोजन प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, संचालन वपस्पति विभाग के सहायक आचार्य डॉ अखिलेश गुप्त एवं आभार ज्ञापन उपप्राचार्य डॉ विजय कुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी, कर्मचारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

**(डॉ. सुधा शुक्ल)**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी